नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 089
दि. 28.07.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल रविवार सुबह स्टेट इमरजेंसी कंट्रोल रूम के औचक दौरे पर पहुंचे

गांधीनगर, 27 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल रविवार सुबह अचानक स्टेट इमरजेंसी कंट्रोल रूम के दौरे पर पहुंचे और राज्य में व्यापक वर्षा की परिस्थिति की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने सुरेन्द्रनगर, पाटण, अरवल्ली, अहमदाबाद, मेहसाणा, बनासकांठा, साबरकांठा और खेड़ा के जिला कलेक्टरों के साथ टेलिफोन पर बातचीत कर उनके जिलों में बरसात के कारण उत्पन्न हालात की जानकारी प्राप्त की।

'भारत गौरव के नए अध्याय लिख रहा है' - प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में साझा की प्रेरणादायक कहानियां

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित करते हुए विज्ञान, खेल, संस्कृति और विरासत से जुड़ी उपलब्धियों पर गर्व जाहिर किया और कुछ प्रेरणादायक कहानियां भी साझा कीं. कार्यक्रम की शुरूआत में उन्होंने हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की सफल वापसी का जिक्र करते हुए कहा, "पिछले कुछ हफ्तों में, स्पोर्ट्स हो, साइंस हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिस पर हर भारतवासी को गर्व है. अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर देश में बहुत चर्चा हुई. जैसे ही शुभांशु धरती पर सुरक्षित उतरे, लोग उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई. पूरा देश गर्व से भर गया."

प्रधानमंत्री मोदी ने याद करते हुए

कहा, "मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई थी तब देश में एक नया माहौल बना. साइंस को लेकर, स्पेस को लेकर बच्चों में एक नई जिज्ञासा भी जागी. अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं, हम भी स्पेस में जाएंगे, हम भी चाँद पर उतरेंगे - स्पेस साइंटिस्ट बनेंगे."

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में स्पेस स्टार्टअप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा, "पांच साल पहले 50 से भी कम स्टार्टअप थे. आज 200 से ज्यादा हो गए हैं, सिर्फ स्पेस सेक्टर में. अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है. आप इसे कैसे मनाएंगे, कोई नया आइडिया है क्या? मुझे NaMo App पर जरूर मैसेज भेजिएगा."

इसके साथ ही पीएम ने इंटरनेशनल ओलंपियाड में भारतीय छात्रों की सफलता पर भी रौशनी डाली और कहा, "कुछ दिन पहले हमारे छात्रों ने इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में मेडल जीते हैं. देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्ज्वल केसरी, इन चारों ने भारत का नाम रोशन किया. मैथ्स की दुनिया में भी भारत ने अपनी पहचान को और मजबूत किया है.

उ0प्र0 के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर कानपुर मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय करे और कार्य शुरू कराए। सभी कार्यों की सतत निगरानी करते हुए कार्य समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित किये जाएं। उन्होंने इन कार्यों को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया।

मुख्यमंत्री जी ने संवाद के शुरूआत में जनपद कानपुर नगर, कानपुर देहात, फरुर्खाबाद, कन्नौज, इटावा एवं औरैया के विधायकों/जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की जमीनी

परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मण्डल की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह मण्डल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है। राज्य सरकार कानपुर मण्डल की औद्योगिक विरासत, शैक्षिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक चेतना को आधुनिक विकास की दिशा में ले जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा कानपुर मण्डल के सभी 06 जनपदों के जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई, जिसकी अनुमानित लागत 10,914 करोड़ रुपये है।

वनटांगिया ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने की खास पहल

(जीएनएस)।

ग्राम सभा बेलासपुर वनटांगिया में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निदेर्शानुसार वृहद वनग्राम स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया जिसमे स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा वन ग्राम के ग्रामीणों/लाभार्थियों को विस्तृत सेवाएं दी गईं ।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई सेवाएं

1. टेलिमानस के अंतर्गत मानसिक रोग से पीड़ित मरीजों का 14416 नंबर पर फोन के माध्यम से काउंसलिंग कराया गया।

2. 167 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई ।

3. डॉक्टर द्वारा 167 मरीजों की डढऊ की गई एवं समस्त मरीजों को दवा उपलब्ध कराया गया ।

4. आशा/ ए०एन०एम०/ सी०एच०ओ० द्वारा 12 लाभार्थियों का आभा कार्ड बनाया गया ।

5. डढऊ के दौरान डॉक्टर की सलाह पर सभी मरीजों का हिमोग्लोबिन, हेपेटाइटिस, मलेरिया आदि जांच किया गया ।

6. पॉजिटिव 2 लोगों को पोषण पोटली वितरित किया गया।

7. मुख्य चिकित्साधिकारी महाराजगंज, एवं अधीक्षक सामु०स्वा० केंद्र परतावल द्वारा 12 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया ।

ब्लॉक परतावल अंतर्गत दी गई सेवाएं

1. दो लाभार्थियों का शौचालय हेतु रजिस्ट्रेशन किया गया

2. पंचायत सहायक द्वारा 15 ग्रामीणों से फीडबैक दिलवाया गया

3. पंचायत सहायक द्वारा 3 परिवारों का फैमिली आई डी बनाया गया

4. स्वास्थ्य मेले में 3 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया

आज के आयोजित स्वास्थ्य मेले का अनुश्रवण मुख्यचिकित्साधिकारी (डॉ श्रीकांत शुक्ला) महराजगंज द्वारा किया गया इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक (डॉ अनिल जायसवाल), जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सिंह, सत्येंद्र सिंह की उपस्थिति में किया गया।

स्वास्थ्य मेले के सफल संचालन हेतु पंचायत सचिव (सृष्टि सिंह),ग्राम प्रधान मीना देवी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि छोटेलाल, ए०डी०ओ० समाज कल्याण, ए०डी०ओ० पंचायत, सुधीर सिंह, अखलाक अहमद,दुर्गावती सिंह, पूजा गौतम, असीम जयसवाल औरा स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर फुरकान, संजीव सिंह, प्रदीप कुमार, अतुलेन्द्र द्विवेदी, अरुण सिंह, रानी सिंह, सीमा प्रजापति एवं समस्त आशाएं उपस्थित रहीं ।

बिजली कटौती से बढ़ा जनआक्रोश, पूर्व सीएम अखिलेश बोले- सरकार ने जनता के भरोसे के खंभे तक गिरा दिए

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में गर्मी के साथ बिजली संकट ने भी जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अघोषित बिजली कटौती और बेहिसाब बिलों के बीच अब विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर हमला बोलते हुए कहा कि अब राज्य में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर 'उड़' चुका है और जनता का सरकार से भरोसा भी 'उखड़' गया है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली विभाग की हालत बद से बदतर हो चुकी है। मंत्री और अधिकारियों के बीच कोई तालमेल नहीं है और जन आक्रोश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार न तो उत्पादन बढ़ा पाई, न ही वितरण व्यवस्था में कोई सुधार कर सकी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में अब केवल बिजली के भारी-भरकम बिल ही आ रहे हैं, जबकि बिजली खुद नदारद है। आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ता जा रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर कुछ भी ठोस नहीं मिल रहा।

गांव-कस्बों की हालत का अंदाजा लगाना मुश्किल

अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली संकट राजधानी लखनऊ तक पहुंच चुका है। शहर के कई इलाकों में दिन-रात कटौती हो रही है। छात्र, व्यापारी और आमजन सभी परेशान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजधानी की यह स्थिति है, तो बाकी जिलों और ग्रामीण इलाकों की हालत कैसी होगी?

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि जब तक लोग उपकेंद्रों पर प्रदर्शन नहीं करते, सरकार हरकत में नहीं आती। उन्होंने इसे सरकारी मशीनरी की असफलता बताते हुए कहा कि जनसुनवाई का कोई स्पष्ट ढांचा ही नहीं बचा है।

उत्पादन शून्य, भ्रष्टाचार चरम पर

सपा अध्यक्ष का दावा है कि भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में बिजली उत्पादन का एक भी नया प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया। उन्होंने कहा कि जो बिजली आज लोगों को मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के समय बने संयंत्रों से आ रही है।

उनका कहना है कि उत्पादन का पहिया जाम है, संचार व्यवस्था ठप है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। यादव ने पूछा कि आखिर नौ साल में भाजपा ने बिजली के क्षेत्र में क्या नया किया?

किसानों को नहीं मिल रही सिंचाई के लिए बिजली

अखिलेश यादव ने बिजली संकट के कारण किसानों की दुर्दशा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार न तो शहरों में बिजली दे पा रही है और न ही गांवों में। सिंचाई के लिए जरूरी बिजली नहीं मिल पा रही, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि बिजली संकट से औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक गतिविधियों पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। गर्मी के दिनों में अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

सपा अध्यक्ष ने सरकार पर जनमुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब जनता बिजली की मांग करती है, तो सरकार बयानबाजी तक ही सीमित रह जाती है।

बिहार एसआईआर जांच में बड़ा खुलासा, 35 लाख वोटरों का नहीं है कोई अता-पता, कहां गए ये मतदाता?

बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। इस रिविजन में करीब 35 लाख वोटर या तो अपने पते पर नहीं मिल रहे हैं या फिर स्थायी रूप से वहां से पलायन कर चुके हैं। यह आंकड़ा मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है, खासकर ऐसे समय में जब भारत निर्वाचन आयोग (ECI) पूरे देश में विशेष इंटेंसिव रिविजन शुरू करने जा रहा है। बिहार में इतनी बड़ी संख्या में वोटरों का लापता मिलना संकेत देता है कि अगर यह प्रक्रिया देशभर में होती है तो और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। कई राजनीतिक दलों ने पहले भी मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर चिंता जताई थी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार मॉडल करेंगे रैंप वॉक, फैशन वर्ल्ड में भी खत्म होंगी जॉब?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल सिर्फ टेक्नोलॉजी में नहीं हो रहा है। आज एआई मॉडल रैंप वॉक कर रहे हैं, ड्रेस डिजाइन कर रहे हैं और यहां तक की फैशन शो के लिए थीम तक सजेस्ट कर रहे हैं। दुनिया भर में Lil Miquela, Shudu, Imma जैसी डिजिटल इन्फ्लुएंसर बड़ी कंपनियों के लिए ब्रांड प्रमोशन कर रही हैं। साथ ही, करोड़ों की कमाई भी कर रही हैं। सवाल उठता है कि क्या इंसानी मॉडल्स और चेहरे अब पीछे छूटते जा रहे हैं? एआई मॉडल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्हें सेट पर बुलाने की जरूरत नहीं होती, न ही उन्हें मेकअप या ब्रेक की जरूरत होती है। बस एक कोड और एक डिजाइन फाइल से वे कभी भी, कहीं भी फोटोशूट और वीडियो फॉर्म तैयार हो सकते हैं।

चिराग पासवान-प्रशांत किशोर हाथ मिला चुके हैं', पप्पू यादव ने बिहार राज्य विधानसभा चुनावों से पहले किया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) प्रमुख चिराग पासवान ने नीतीश कुमार की खिलाफत करते हुए मोर्चा खोल दिया है। एनडीए सरकार का हिस्सा होने के बावजूद चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के लिए कहा, "मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं।"

जिसके बाद चिराग पावन को लेकर तमाम तरह के दावे किए जा रहे हैं। रविवार को बिहार सांसद पप्पू यादव ने भी चिराग पासवान को लेकर बड़ा ब्यान दिया है। इतना ही नहीं पप्पू यादव ने चिराग पासवान को इंडियागठबंधन में शामिल होने का न्यौता भी दे दिया है।

बिहार राज्य विधानसभा चुनावों से पहले, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने रविवार को दावा किया कि केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान और जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के प्रमुख प्रशांत किशोर ने चुनावों के लिए हाथ मिला लिया है। पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्णिया सांसद ने कहा कि किशोर को पासवान को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए।

पप्पू यादव ने आगे कहा, अगर पासवान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ रहना नहीं चाहते हैं, तो वे उनका इंडिया गठबंधन में स्वागत करेंगे। पप्पू यादव ने कहा हर कोई जानता है कि अगर वे कुछ सीटें भी जीतते हैं, तो इससे जेडीयू और नीतीश जी के लिए परेशानी होगी। अगर चिराग जी को वहां अच्छा नहीं लगता है, तो हम इंडिया गठबंधन में उनका स्वागत करेंगे।" पूर्णिया सांसद की यह टिप्पणी पासवान द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर हमला करने के एक दिन बाद आई है। पासवान ने कहा था कि वर्तमान स्थिति में सरकार का समर्थन करने में उन्हें "दुख और शर्म" महसूस होती है। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले चुनावों के साथ, चिराग की सीधी आलोचना ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर हलचल पैदा कर दी है।

राजस्थान स्कूल हादसे के बाद शिक्षा मंत्रालय सख्त, सभी स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य

(जीएनएस)।

राजस्थान के झालावाड़ जिले मनोहरथाना में सरकारी स्कूल बिल्डिंग गिरने और सात बच्चों की मौत के बाद शिक्षा मंत्रालय ने सख्त कदम उठाया है। मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी करते हुए बच्चों की सुरक्षा और मानसिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बता दें कि राजस्थान के झालावाड़ जिले में 25 जुलाई 2025 की सुबह सरकारी स्कूल भवन भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से 7 बच्चों की मौत हो गई जबकि करीब 30 बच्चे घायल हो गए। मृत बच्चों में मीना, उसका भाई कान्हा, कार्तिक, प्रियंका, कुंदन, पायल और

हरीश शामिल थे। हादसे के बाद शिक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर गाइडलाइन और निर्देश जारी किए हैं।

हर स्कूल में सुरक्षा ऑडिट जरूरी

सभी स्कूलों और बच्चों व युवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले सार्वजनिक स्थलों में सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य किया गया है। इसके तहत भवन की संरचनात्मक मजबूती, फायर सेफ्टी, आपातकालीन निकासी मार्ग और बिजली व्यवस्था की गहन जांच की जाएगी। यह ऑडिट राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों और आपदा प्रबंधन दिशानिदेर्शों के अनुरूप किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट संबंधित प्राधिकरण को सौंपनी होगी।

मंत्रालय ने कहा है कि स्कूल स्टाफ और छात्रों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग शामिल है। स्थानीय प्रशासन, एनडीएमए, दमकल विभाग, पुलिस और चिकित्सा एजेंसियों के साथ मिलकर समय-समय पर मॉक ड्रिल कराई जानी चाहिए।

वडोदरा मंडल ने डिजिटल क्रांति में रचा नया इतिहास

डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत भारतीय रेलवे द्वारा डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत वडोदरा रेल मंडल ने एक नई मिसाल कायम की है। मंडल के पीआरएस (ढं२रील्लौं१ फीरी१५ं३ङ्गल्ल र८२३ी) काउंटरों पर डिजिटल माध्यमों से टिकट बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल तीन महीनों के भीतर पीआरएस डिजिटल बुकिंग का प्रतिशत 16.17% से बढ़कर 61.88% हो गया है, जो कि यात्रियों की बदलती प्राथमिकताओं और मंडल द्वारा की गई डिजिटल सुविधाओं के प्रचार-प्रसार का प्रत्यक्ष परिणाम है।

मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि यात्रियों को डिजिटल भुगतान के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए लगातार किए गए प्रयासों, जागरूकता अभियानों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। यात्री अब यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड जैसे सुरक्षित और त्वरित डिजिटल विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया न केवल अधिक पारदर्शी हो रही है, बल्कि समय की भी बचत हो रही है।

भारतीय रेलवे द्वारा डिजिटल माध्यमों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान और आवश्यक तकनीकी अधोसंरचना को विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक और कुशल सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में रेल पटरियों और डिब्बों का तेजी से उन्नयन हो रहा है

टैम्पिंग और गिट्टी सफाई मशीनों की तैनाती से जम्मू-कश्मीर में यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित हुई है

भारतीय रेलवे ट्रैक कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्य स्थितियों में सुधार के लिए दोषों का पता लगाने हेतु एआई का उपयोग करेगाः केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

कश्मीर घाटी में संचालित डेमू मेमू डिब्बों को समयबद्ध तरीके से नए रेल संपर्क के माध्यम से लखनऊ कारखाने में पहुंचाया जा रहा है ताकि उनकी आवधिक मरम्मत की जा सके और उन्हें नवीनतम यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके

ढङ्ग२३ी डल्लः 27 खवछ 2025 9:25अट ु८ ढक्ह ऊै

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 06 जून 2025 को चिनाब और अंजी पुलों के साथ उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का उद्घाटन किया। यह कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच संपर्क स्थापित करने में एक ऐतिहासिक औ प्रमुख उपलब्धि है।

कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गई है।

रेल लाइन का रखरखावः नई रेलगाड़ी सेवाओं के अलावा, इस लाइन के शुरू होने से कश्मीर घाटी में रेल पटरियों के रख-रखाव की क्षमता में बुनियादी बदलाव आया है। रेलवे लिंक ने कश्मीर घाटी में रेल लाइन के रखरखाव वाली मशीनों की आवाजाही को सक्षम बनाया है। पहले रेल लाइनों का मानवीय रखरखाव के विपरीत, अब रखरखाव आधुनिक मशीनों से किया जा रहा है। इससे रेल लाइन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ट्रैक मशीनों की तैनाती में वृद्धिः कश्मीर घाटी में रेलवे लाइनों की रखरखाव गतिविधियों को मजबूत करने के लिए, मशीनों की तैनाती को निम्नानुसार बढ़ाया गया हैः

1. जून 2025 की शुरूआत से एक टैम्पिंग मशीन तैनात की गई है। यह मशीन रेल पटरियों के उचित प्रकार से एक सीध में रखने और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरती है। इसने अब तक घाटी में लगभग 88 किलोमीटर रेलवे पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरे हैं। इससे गिट्टी की गद्दी में सुधार हुआ है और इससे रेल यात्रा सुगम होगी।

2. इस मार्ग पर दो गिट्टी सफाई मशीनें (बीसीएम) भी तैनात की गई हैं। गिट्टी पटरियों पर जमा होने वाले पत्थर के टुकड़े हैं। यह रेलवे पटरियों को सहारा प्रदान करती है। ये मशीनें मिलकर काम कर रही हैं और लगभग 11.5 किलोमीटर पटरियों की गहराई से स्क्रीनिंग कर चुकी हैं। स्वच्छ गिट्टी से परिचालन सुरक्षित होता है।

3. जुलाई 2025 में घाटी में दो अतिरिक्त बीसीएम भेजी गईं। इन मशीनों ने गहराई से स्क्रीनिंग की है और लगभग 2.5 किलोमीटर पटरियों की सफाई की है।

4. गिट्टी की पुनः प्राप्ति द्वारा टैम्पिंग और डीप स्क्रीनिंग कार्य को पूरा करने के लिए, कठुआ, काजीगुंड, माधोपुर और जींद स्थित गिट्टी डिपो से कश्मीर घाटी के रेल्वे मार्ग पर 17 गिट्टी रेक भेजे गए और उतारे गए। परिणामस्वरूप, 19,000 घन मीटर गिट्टी भरी गई।

5. ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) और ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओएमएस) रन भी क्रमशः जून, 2025 और जुलाई, 2025 में किए गए। रेलवे पटरी की गुणवत्ता का आकलन किया गया है और ध्यान देने योग्य रेलवे पटरी खंडों की पहचान की गई है।

इन सभी कार्यों से कश्मीर घाटी में रेलवे पटरियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

(घाटी अनुभाग में काम करने वाली टैम्पिंग मशीन)

(घाटी अनुभाग में काम करने वाली गिट्टी सफाई मशीन)

पूरे देश में रेलवे लाइन का उन्नयनः देश भर में रेलवे पटरियों को उन्नत किया जा रहा है। बेहतर ट्रैक सुरक्षा से यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वर्ष 2025 की शुरूआत तक, भारत के 78 प्रतिशत ट्रैक 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की गति तक अपग्रेड हो चुके होंगे। वर्ष 2014 में यह संख्या सिर्फ 39 प्रतिशत थी। पिछले दशक में पटरियों की कुल लंबाई में वृद्धि के आलोक में इस उच्च अनुपात को देखा जाना चाहिए। वर्ष 2014 में पटरियों की कुल लंबाई 79,342 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है।

ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए कार्य स्थितियों में सुधार केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "हम ट्रैक प्रौद्योगिकी और रखरखाव प्रथाओं को उन्नत करके ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। आधुनिक ट्रैक फिटिंग, ट्रैक मशीनों का उपयोग, अल्ट्रा साउंड फ्रैक्चर डिटेक्शन मशीन, सड़क सह रेल वाहन और एकीकृत ट्रैक माप मशीनें हमारे ट्रैक रखरखाव को वैज्ञानिक बना देंगी। एआई का उपयोग दोषों का पता लगाने में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इन तकनीकी परिवर्तनों से ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए काम करने की स्थिति में काफी सुधार होगा।"

जम्मू-कश्मीर में यात्री कोच अपग्रेडेशन का नया दौर

ट्रैक अपग्रेडेशन के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में यात्री डिब्बों के रखरखाव और उन्नयन में एक आदर्श बदलाव आया है।

जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक के शुरू होने तक, कश्मीर घाटी का शेष भारतीय रेलवे नेटवर्क के साथ कोई रेल संपर्क नहीं था। कश्मीर घाटी में डीईएमयू/एमईएमयू रेकों को आवधिक अनुरक्षण और उन्नयन के लिए कार्यशाला में नहीं लाया जा सका।

सड़क ट्रेलरों पर बडगाम से लखनऊ तक बोगियों को लाकर आवधिक मरम्मत (पीओएच) की जा रही थी। यह स्थिति सामान्य से कमजोर थी। पहली बार घाटी से रेक पीओएच के लिए रेल के माध्यम से लखनऊ लाए गए हैं।

बडगाम के सभी रेकों की स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार किया जा रहा है। निम्नलिखित रेकों का अनुरक्षण और उन्नयन किया जा रहा है

एक मेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। उन्नत मेमू रेक अब घाटी में चालू है। एक अन्य मेमू रेक का पीओएच जुलाई, 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

चारबाग कारखाने में एक डेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। चारबाग कारखाने में एक और डेमू रेक का पीओएच कार्य जारी है। इसके अगस्त, 2025 के मध्य तक पूरा होने की संभावना है।

जालंधर शेड में एक और डेमू रेक का नवीकरण किया जा रहा है। इसके जुलाई, 2025 के अंत तक चालू होने की संभावना है।

चारबाग कारखाने और जालंधर शेड में चार और डीईएमयू रेकों के उन्नयन की योजना बनाई गई है।

किए जा रहे उन्नयन कार्यों का विवरण निम्नानुसार हैः

एक नए जीवंत रंग के साथ पूरे रेक के विरोधी भित्तिचित्रों के साथ बाहरी पीयू पेंटिंग

शौचालयों में बायो टैंक लगाना

शौचालयों के समुचित कार्य के लिए नए पानी चढ़ाने वाले पंपों की फिटिंग

सीटों की मरम्मत और पॉली काबोर्नेट सीटों के साथ प्रतिस्थापन

नए स्टैंडिंग हैंडल का प्रावधान

पीवीसी फर्श का नवीनीकरण

सभी स्टेनलेस स्टील की वस्तुओं की बफिंग

सभी खिड़कियों की मरम्मत और हॉपर प्रकार की खिड़कियां सुनिश्चित करना

सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली का समुचित कार्य सुनिश्चित करना

पानी चढ़ाने वाले उपकरणों की आपूर्ति के लिए पर्याप्त विद्युत और स्विच पैनल पर स्वचालित परिवर्तन का प्रावधान। इससे गर्मी के मौसम में जनरेटर की आपूर्ति न होने पर भी पानी चढ़ाने वाले उपकरणों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित होगा।

ए और सी प्रकार के मोबाइल चार्जिंग सॉकेट (इनबिल्ट शॉर्ट सर्किट और अधिभार संरक्षण के साथ) और पंखों के लिए मॉड्यूलर स्विच का प्रावधान

विलासपुर डिविजन में इंजिनियरिंग कार्य हेतु लिए गए ब्लॉक के कारण 27 अगस्त की पोरबंदर-शालीमार सुपरफास्ट ट्रेन रद्द

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विलासपुर मंडल के रायगढ़-झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथी लाइन को कनेक्टिविटी प्रदान करने से संबंधित कार्य हेतु ब्लॉक लिया गया है। इस ब्लॉक के चलते भावनगर मंडल के पोरबंदर स्टेशन से चलने वाली पोरबंदर-शालीमार द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन 27 अगस्त, 2025 को रद्द रहेगी। भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार प्रभावित ट्रेन का विस्तृत विवरण इस प्रकार हैः

निरस्त ट्रेनें

ट्रेन नंबर 12905 पोरबंदर-शालीमार द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट 27.08.2025 को निरस्त रहेगी।

ट्रेन नंबर 12906 शालीमार-पोरबंदर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट 29.08.2025 को निरस्त रहेगी।

उपरोक्त ट्रेन के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गन्ने के खेतों में छिपे ड्रोन ऑपरेटर की अफवाह, गांव में पहरा, पुलिस बोली- कोई सबूत नहीं मिला

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों के कई गांवों में इन दिनों एक अनजानी चिंता गहराती जा रही है। रात के अंधेरे में आसमान में उड़ते ड्रोन लोगों की नींदें उड़ा रहे हैं। कहीं गांव वाले पहरा दे रहे हैं तो कहीं फायरिंग तक की खबरें हैं।

औरंगाबाद थाना क्षेत्र के राजगढ़ी गांव में शनिवार रात को एक ड्रोन मंडराता देखा गया। लोगों ने शोर मचाया और खेतों की घेराबंदी की। यहां तक कि फायरिंग भी की गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि फायरिंग की बात झूठी है।

अब हालात यह हैं कि कई गांवों में रात में ग्रामीण हाथों में लाठी और टॉर्च लेकर गश्त कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इन ड्रोन को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं लेकिन पुलिस इसे अफवाह करार दे रही है।

20 से ज्यादा गांवों में दिखे ड्रोन

औरंगाबाद से लेकर शमशाबाद, भीखनपुर और मूढ़ी बकापुर जैसे गांवों तक ड्रोन की मौजूदगी की खबरें फैली हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये ड्रोन रात में घरों की छतों को स्कैन करते हैं और इन्हें चोर गिरोह चला रहा है।

लोगों को डर है कि ये ड्रोन पशु चोरी या घर में सेंधमारी की साजिश से

जुड़े हो सकते हैं। कुछ ने दावा किया है कि ड्रोन में रंग-बिरंगी लाइटें लगी थीं जो कई मिनट तक हवा में मंडराती रहीं।

खेतों में छिपे होने की आशंका पर हड़कंप

राजगढ़ी गांव के कुछ लोगों का कहना है कि ड्रोन उड़ाने वाले शरारती तत्व गन्ने के खेतों में छिप गए थे। ग्रामीणों ने चारों तरफ से खेतों को घेर लिया और तलाशी अभियान चलाया लेकिन कोई पकड़ में नहीं आया।

उसके बाद लोगों द्वारा थाने पर सूचना देने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

फर्जी अफवाहें हैं, सतर्क रहें ग्रामीण

औरंगाबाद थाने के एसओ वरुण शर्मा ने स्पष्ट किया कि ड्रोन को लेकर फैलाई जा रही बातें महज अफवाहें हैं। उन्होंने कहा कि फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है और गांव वालों को अफवाहों से सतर्क रहने की जरूरत है।

पुलिस का यह भी कहना है कि कई टीमों ने रात में इलाके में गश्त की थी लेकिन उन्हें कुछ ऐसा या फिर असामान्य नहीं मिला। फिलहाल, इस मामले को लेकर गावों में तरह-तरह की चर्चा चल रही है।

वायरल वीडियो से पिलखुवा में मचा हड़कंप

गढ़मुक्तेश्वर के बाद अब पिलखुवा के मोहल्ला प्रहलादनगर में भी ड्रोन देखने का दावा किया गया है। एक युवक ने रात 12:30 बजे आसमान में मंडराते ड्रोन का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

वीडियो वायरल होते ही इलाके में चचाओं का दौर शुरू हो गया। कोई इसे हवाई जहाज बता रहा है तो कोई शरारती तत्वों की करतूत। कई लोगों का कहना है कि ऐसी अफवाहें केवल भ्रम पैदा कर रही हैं।

श्रावणी मेला में श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये गोरखपुर -आसनसोल एक्सप्रेस के फेरों की बढ़ी संख्या

(जीएनएस)। श्रावणी मेला में श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 27 जुलाई, 2025 रविवार को तथा गोरखपुर से 28 जुलाई, 2025 सोमवार को एक फेरे हेतु निम्नवत किया जायेगा।

03527 आसनसोल-गोरखपुर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 27 जुलाई, 2025 रविवार को आसनसोल से 21.00 बजे प्रस्थान कर चित्तरंजन से 21.30 बजे, मधुपुर से 22.25 बजे, जसीडीह से 23.05 बजे, दूसरे दिन झाझा से 00.30 बजे, किऊल से 01.07 बजे, मोकामा से 01.42 बजे, बख्यितयारपुर से 02.17 बजे, पटना

से 03.30 बजे, पाटलिपुत्र से 04.30 बजे, छपरा से 07.00 बजे, सीवान से 08.05 बजे तथा देवरिया सदर से 09.12 बजे छूटकर गोरखपुर 10.45 बजे पहुँचेगी।

गोरखपुर - आसनसोल एक्सप्रेस के फेरों की बढ़ी संख्या, देखें डिटेल

वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 28 जुलाई, 2025 सोमवार को गोरखपुर से 13.45 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 15.10 बजे, सीवान से 16.25 बजे, छपरा से 17.50 बजे, पाटलिपुत्र से 20.00 बजे, पटना से 20.35 बजे, बख्यितयारपुर से 21.25 बजे, मोकामा से 22.07 बजे, किऊल से 23.47 बजे, दूसरे दिना झाझा से 00.55 बजे, जसीडीह से 01.30 बजे, मधुपुर से 01.55 बजे तथा चित्तरंजन से 02.47 बजे छूटकर आसनसोल 03.50 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान (अनारक्षित) के 20 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

टीसीएस कंपनी 12,000 से अधिक कर्मचारियों की कर रही छंटनी

एआई टेक्नलॉजी बदलाव और बाजार विस्तार के बीच कर्मचारियों को फिर से ट्रेनिंग

(जीएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) केकारण अब तक लाखों लोगों ने नौकरियां गवां दी है। इसके चलते अब एक बड़ी कंपनी में बड़े स्तर पर ले-ऑफ होने जा रहा है। टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) एआई टेक्नलॉजी बदलाव और बाजार विस्तार के बीच कर्मचारियों को फिर से ट्रेंड कर रही है। इसके चलते कंपनी 12,200 पदों को समाप्त कर रही है।

समाचार एजेंसी रायटर्स के अनुसार, भारत की सबसे बड़ी आईटी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी टीसीएस वित्तीय वर्ष 2026 में अपने कर्मचारियों की संख्̈ या में दो प्रतिशत की कमी करेगी, जिसका असर मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन पर पड़ेगा। इसका मतलब है कि 12,000 से अधिक नौकरियां कम हो जाएंगी।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के. कृतिवासन ने इसी महीने कहा था कि ग्राहकों द्वारा निर्णय लेने और परियोजनाओं को शुरू करने में देरी हो रही है। कंपनी का कहना है कि नए बाजारों में प्रवेश करने, नई तकनीक में निवेश करने और एआई को लागू करने के साथ-साथ वह अपने कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित और तैनात कर रही है। हालांकि, इस प्रक्रिया के तहत लगभग 12,200 नौकरियां खत्म की जाएंगी।

कंपनी ने कहा कि इस बदलाव की योजना सावधानीपूर्वक बनाई जा रही है ताकि हमारे कस्̈ टमर्स की सर्विस पर कोई प्रभाव न पड़े।

मनीकंट्रोल के साथ एक साक्षात्कार में के. कृतिवासन ने स्वीकार किया कि टेक्नलॉज और प्रोफेशलन वर्क में बदलाव इस आंतरिक परिवर्तनों को गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम नई तकनीकों, विशेष रूप से एआई और ऑपरेटिंग मॉडल में बदलावों पर जोर दे रहे हैं। काम करने के तरीके बदल रहे हैं। हमें भविष्य के लिए तैयार और फुतीर्ला रहने की जरूरत है। हम बड़े पैमाने पर एआई को लागू कर रहे हैं और उन कौशलों का मूल्यांकन कर रहे हैं जिनकी हमें भविष्य के लिए आवश्यकता होगी।"

उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारी विकास और करियर के अवसरों में महत्वपूर्ण निवेश के बावजूद, "हमें पता चला है कि कुछ भूमिकाएं ऐसी हैं जहां पुनः तैनाती प्रभावी नहीं रही है। इससे हमारे वैश्विक कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत प्रभावित होगा, मुख्य रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तरों पर। यह आसान निर्णय नहीं था और सीईओ के रूप में मुझे सबसे कठिन निर्णय लेने पड़े हैं।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह कदम AI-संचालित उत्पादकता सुधार या आर्थिक कारकों और मांग से संबंधित कारकों के कारण उठाया गया है, तो कृतिवासन ने स्पष्ट किया, "यह एआई के कारण नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए स्किल के लिए है। यह तैनाती में व्यवहार्यता के बारे में है, इसलिए नहीं कि हमें कम लोगों की आवश्यकता है।"

डीएम ने किया कुछ ऐसा काम, बच्चों की खुशी का नहीं रहा ठिकाना

मध्याह्न भोजन का समय होने पर अधिकारियों ने बच्चों के साथ मेस में किया भोजन

महाराजगंज (जीएनएस)। आज नवोदय विद्यालय के बच्चों के आश्चर्य और खुशी का उस समय ठिकाना नहीं रहा, जब जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा अचानक उनके साथ मध्यान्ह भोजन करने पहुंचे।

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संदर्भ में परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के उपरांत दोनों अधिकारी नवोदय विद्यालय धनेवा धनेई पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर, हॉस्टल, मेस, रसोई आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के मध्याह्न भोजन का समय होने पर दोनों अधिकारियों ने बच्चों के साथ मेस में भोजन किया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय में मौजूद सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने बच्चों से उनके भावी योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान बच्चों ने खुलकर दोनों अधिकारियों से अपने भावी सपनो और लक्ष्यों के बारे बताया। किसी ने आईएएस बनने की बात की तो कोई

डॉक्टर बनने की ख्वाहिश व्यक्त कर रहा था। इंजीनियर और खिलाड़ी बनने की इच्छा भी कई बच्चों ने व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि नवोदय विद्यालय भारत ही नहीं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में एक है। नवोदय विद्यालय से निकलकर अनेक लोगों ने देश और दुनिया में नाम कमाया है। जिलाधिकारी ने बच्चों से कहा कि आप लोग खुशकिस्मत हैं कि इस विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिला है। इस अवसर का लाभ उठाए और मन लगाकर पढ़ाई करिए। निश्चित रूप से आप सभी लोग अपने सपनों को पूरा कर सकेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने भी सभी बच्चों को भविष्य के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि शिक्षा वह शक्ति है जिससे हम अपने सभी सपनो को पूरा कर सकते हैं। आप लोग नवोदय के विद्यार्थी हैं, तो निश्चित रूप से अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर यहां पहुंचे हैं। आगे भी आप लोग इसी लगन और परिश्रम के साथ काम करिए। निश्चित रूप से सफलता आपके कदम चूमेगी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आर.के. राय ने बच्चों की ओर से एक वाटर कूलर लगवाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया। जिलाधिकारी ने तत्काल नवोदय विद्यालय में वाटर कूलर लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने वाटर कूलर लगवाने के काम को आज ही पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रधानाचार्य नवोदय विद्यालय से कहा कि बच्चों के हित में किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर अवगत कराएं। जिला प्रशासन न्यूनतम समय में आवश्यकता को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसको विद्यालय प्रबंधन सुनिश्चित करे।

आधे से अधिक अभ्यर्थी रहे नदारद, कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा सकुशल सम्पन्न

केंद्रों पर कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों, क्लॉक रूम आदि का निरीक्षण किया गया।

महाराजगंज(जीएनएस)। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना द्वारा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा (प्रारंभिक) 2025 की तैयारियों के दृष्टिगत जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज, लिटिल फ्लावर स्कूल, बिशप एकेडमी, श्री शिवजपत सिंह इंटर इंटर कॉलेज भिटौली, पंचायत इंटर कॉलेज परतावल का निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त केंद्रों पर कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों, क्लॉक रूम आदि का निरीक्षण किया गया। दोनों अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरे, मेडिकल टीम की तैनाती, साफ-सफाई और सुरक्षा सहित अन्य इंतजामों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी द्वारा तैनात मजिस्ट्रेटों और केंद्र व्यवस्थापकों से परीक्षा के सकुशल संचालन के संदर्भ में जा आखरी की गई और निर्देशित किया गया कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के निदेर्शानुसार ही सभी कार्यवाहियों को संपन्न कराएं। यदि

कोई समस्या होती है तो तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। कहा कि आयोग द्वारा प्रतिबन्धित किसी भी प्रकार की सामग्री कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अन्दर लेकर न जाने पाये।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा की गोपनीयता को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को केंद्र पर आयोग के दिशा निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करवाने हेतु निर्देशित किया।

जनपद में कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए 01 केंद्र व्यवस्थापक, 01 सह केंद्र व्यवस्थापक, 01-01 स्टैटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही 05 जोनल अधिकारी के रूप में एसडीएम को नामित किया गया था।

आज समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी 2023 की आरंभिक परीक्षा हेतु कुल जनपद में कुल 7984 अभ्यर्थियों का पंजीकरण हुआ था। कुल 3883 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 4101 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। अभ्यर्थियों की कुल उपस्थिति 48.63 प्रतिशत रही। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई और कहीं से कोई अप्रिय समाचार प्राप्त नहीं हुआ।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक सहित संबंद्धित अधिकारी व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

कुछ बदले से राष्ट्रपति मोइज्जू सारे प्रोटोकाल तोड़कर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएम मोदी की अगवानी करने पहुंचे

कभी भारत के खिलाफ 'इंडिया आउट' का नारा लगाकर सत्ता में आने वाले मोहम्मद मोइज्जू ने मालदीव को चीन के हाथों गिरवी रखने के लिए तैयार थे किन्तु जब दो दिवसीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लंदन से सीधे माले पहुंचे तो वहीं राष्ट्रपति मोइज्जू सारे प्रोटोकाल तोड़कर खुद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने अद्भुत मित्र की अगवानी करने पहुंच गए। शनिवार को राष्ट्रपति मोइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अद्भुत व्यक्ति हैं। भारत और मालदीव के बीच सदियों से अच्छे संबंध हैं और प्रधानमंत्री मोदी के समय दोनों देशों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

दरअसल मालदीव पूरी तरह चीन के डेब्ट डिप्लोमेसी का शिकार हो चुका था। किन्तु भारत ने मालदीव में चीन समर्थकों की हर खुराफात और षडांत्र का बहुत ही सावधानी से संभाला। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोइज्जू ने सामरिक और व्यापारिक समझौतों से यह स्पष्ट कर दिया कि अब मालदीव को इस बात का एहसास हो चुका है कि भारत ही उसकी मदद कर सकता है। भारत के साथ त्रण सुविधा, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और यूपीआई से संबंधित समझौतों पर राष्ट्रपति मोइज्जू ने कहा कि इससे आगे बढ़ने में मालदीव को मदद मिलेगी।

सच तो यह है कि हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी और अमेरिका की दिलचस्पी के कारण भारत के लिए मालदीव बहुत ही महत्वपूर्ण देश बन गया है। राष्ट्रपति मोइज्जू ने हिन्द महासागर को मालदीव और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों का जीवंत प्रमाण बताते हुए कहा कि दोनों देशों ने एक मजबूत और अटूट संबंध स्थापित किया है जो वूटनीति से परे हैं। जब राष्ट्रपति मोइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की और दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर इतना वुछ कह गए तो भला प्रधानमंत्री मोदी कहां पीछे रहने वाले। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा है कि हमारे देश बुनियादी ढांचा प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं।

यह सच है कि भारत इस बात को अच्छी तरह जानता है कि पड़ोसी जैसा दोस्त और दुश्मन दोनों ही नहीं मिलते। इसलिए जो पड़ोसी भारत के साथ खुरापात नहीं करते उनसे भारत खुश भी रहता है और हरसंभव सहायता भी करता है। इतना नहीं पड़ोसी देशों में वुछ जो भारत विरोधी तत्व संबंध खराब करने के उद्देश्य से अण्ड-बण्ड बयान देते हैं, भारत उन्हें भी नजरंदाज कर देता है। पिछले दिनों मालदीव ने भारत के खिलाफ जितना जहर उगला था, यदि उसका जवाब देने के लिए भारत तय कर लेता है तो दोनों के संबंध रसातल में चले जाते। पांडिचेरी में समुद्र के तट पर प्रधानमंत्री मोदी के वुसा पर बैठ जाने से मालदीव में मोइज्जू मंत्रिपरिषद के सदस्यों तक ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ टिप्पणी किए जिन्हें राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद से बाहर कर दिया था। उसी वर्ष यानि 2023-24 के बजट में मालदीव के लिए 770.90 करोड़ रुपए का प्रवधान करके भारत ने मालदीव के लोगों का दिल जीत लिया। असल में वर्ष 2022-23 में भारत ने मालदीव के लिए 400 करोड़ रुपए आवंटित किया था। किन्तु जब मालदीव की सरकार ने भारत को आंख तरेरनी शुरू की तो माना जा रहा था कि अब सरकार मालदीव को सबक सिखाएगी। किन्तु वित्त मंत्री ने बजट पेश किया तो यह राशि दोगुनी हो गई। पूरी दुनिया में भारत की उदारता की चर्चा हुई और मालदीव को लगा कि चीन ने तो इतनी महंगी ब्याज दर पर कर्ज दिया है फिर तो उनके लिए भारत ही अच्छा मित्र है।

लब्बोलुआब यह है कि यदि शनिवार को राष्ट्रपति ने भारत के प्रति जो विश्वास और आभार व्यक्त किया वह सही में वास्तविक है, तो निश्चित रूप से इस मैत्री भाव के वापसी से चीन को झटका लगना स्वाभाविक है। इतना तो तय है कि मोइज्जू का हृदय परिवर्तन मजबूरी में हुआ है।

बिल्हा ने देशभर में बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान - स्वच्छता में देशभर में प्रथम, 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की सराहना

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ की नगर पंचायत बिल्हा ने स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में 20,000 से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए दिनांक 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भव्य पुरस्कार समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बिल्हा नगर पंचायत को सम्मानित किया गया था। आज इस गौरवशाली उपलब्धि की प्रतिध्वनि 'मन की बात' के राष्ट्रीय मंच तक पहुँची, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 124वें संस्करण में बिल्हा नगर पंचायत की महिलाओं द्वारा किए गए नवाचार और श्रम का उल्लेख करते हुए सराहना की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है, जिसने स्वच्छता को न केवल शासकीय योजना के रूप में, बल्कि सामुदायिक आंदोलन के रूप में अपनाया है। नगर पंचायत बिल्हा की आबादी लगभग 15,000 है, जहाँ 28 स्वच्छता दीदियाँ कार्यरत हैं। ये दीदियाँ नगर के 15 वार्डों में घर-घर जाकर ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं और फिर कचरे को रछफ्ट सेंटर में ले जाकर गीला और सूखा कचरा पृथक करती हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है और सूखे कचरे को बेचकर ये महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त बिल्हा नगर में 10 विशेष स्वच्छता कमांडो भी नियुक्त किए गए हैं जो ट्रैक्टर और ऑटो टिपर के माध्यम से पूरे शहर में घूमकर कचरा सफाई और जन-जागरूकता का कार्य कर रहे हैं।

बिल्हा नगर पंचायत द्वारा जन-जागरूकता अभियान, मुनादी, और घरों-दुकानों से सीधे कचरा संग्रहण जैसे कदमों से आज नगरवासी कचरे को पृथक कर ई-रिक्शा में देने के लिए प्रेरित हो चुके हैं। मुक्तिधाम, तालाब, गार्डन, सामुदायिक भवन आदि में सामूहिक सफाई अभियान भी समय-समय पर चलाए जाते हैं। इस सफलता का श्रेय सभी सफाई कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, नगर पंचायत के अधिकारियों, कर्मचारियों और सकारात्मक सोच वाले जनप्रतिनिधियों को जाता है, जो निरंतर निरीक्षण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में 20,000 से कम आबादी वाले 2000 से अधिक नगरीय निकाय हैं। भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से सफाई व्यवस्था का परीक्षण, जिसमें डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, रोड स्विपिंग, नाइट स्विपिंग, कचरा निपटान, शौचालयों और पार्कों की सफाई व्यवस्था सहित जनता से फीडबैक शामिल था, उसी के आधार पर यह सम्मान मिला है। इस अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, नगर पंचायत बिल्हा की अध्यक्ष श्रीमती वंदना जेन्ड्रे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रवीण सिंह गहलोत, उपाध्यक्ष श्री सतीश शर्मा, पीआईसी सदस्य श्री मोहन ढोरिया, तत्कालीन उप अभियंता श्री नरेंद्र दुबे, सफाई दरोगा श्री यशवंत सिंह, स्वच्छता सुपरवाइजर श्री राकेश डागोर, स्वच्छता दीदी श्रीमती पूजा राठौर एवं पीआईयू श्री अंकित दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किया है, वह सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में देशभर के 20,000 से कम आबादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त कर बिल्हा ने न केवल प्रदेश का मान बढ़ाया है, बल्कि यह सिद्ध किया है कि संकल्प, सहभागिता और सेवा भाव से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में बिल्हा की महिलाओं और उनके स्वच्छता नवाचार की प्रशंसा करना इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक बना देता है। यह समस्त छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है।

उपमुख्यमंत्री का वक्तव्य

उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि बिल्हा नगर पंचायत ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024झ25 में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का मान पूरे देश में बढ़ाया है। यह सफलता हमारे नगरीय निकायों की प्रतिबद्धता, कार्यशैली और जनभागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य नगर निकायों को भी नई प्रेरणा देगी और हम सब मिलकर

'मैं भारत से प्यार करती हूं, लेकिन', अमेरिका से आई महिला के रियल रिव्यू ने जीता दिल

(जीएनएस)।

भारत में रहने वाली अमेरिकी कटेंट क्रिएटर क्रिस्टन फिशर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। महिला ने भारत में रहकर जो देखा समझा और जाना उस पर अपना अनुभव शेयर किया हैं।

हालांकि, कंटेंट क्रिएटर ने यह भी कहा कि कोई भी देश परफेक्ट नहीं होता और भारत में उसे जो चीजें पसंद और नापसंद थीं, उनकी एक लिस्ट भी शेयर की है।

मुझे भारत से प्यार है, लेकिन...

फिशर ने वायरल पोस्ट में लिखा,' भारत में रहने वाली एक विदेशी होने के नाते, मुझे यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि कोई भी जगह परफेक्ट नहीं होती। मुझे भारत से प्यार है, लेकिन यह किसी भी तरह से परफेक्ट नहीं है। इसमें जरूर कुछ खामियां और कुछ पहलू हैं जो मुझे पसंद नहीं हैं।'

अमेरिका में भी अपनी समस्याएं

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में भी अपनी समस्याएं हैं और यह देश उतना परफेक्ट नहीं है जितना दूसरे लोग सोचते हैं। उन्होंने लिखा कि, 'हम जहां भी जाएं, खामियां होंगी और हमारा काम है कि हम हर चीज में अच्छाई देखना सीखें, चाहे कुछ भी हो। मेरा मानना है कि हम चाहे कहीं भी हों, अपनी खुशी खुद बनाने की ताकत रखते हैं।'

फिशर को भारत में क्या पसंद है और क्या नहीं, उसकी लिस्ट ये रही-मुझे अपने परिवार की याद आती है। मुझे भारतीय खाना ज्यादा पसंद है। मुझे माइनॉरिटी होना पसंद है, मुझे दिल्ली का पॉल्यूशन पसंद नहीं है, भारत बच्चों के लिए एक बेहतर जगह है, मुझे लगता है कि शाकाहारी होना बेहतर है, भारत एक ज्यादा शालीन देश है, मुझे सड़कों पर पड़े कचरे से नफरत है, यहां खाना ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक है, भारत में मेहमाननवाजी बेहतर है, स्थानीय खेती बेहतर है

फिशर ने वीडियो के अंत में कहा कि 'मुझे नहीं लगता कि भारत परिपूर्ण है। हमें अपनी खुशी खुद ढूंढनी होगी।'

ज्यादातर लोग फिशर के नजरिए से सहमत

वीडियो को हजारों लोग देख चुके हैं और सैकड़ों कमेंट्स हैं, जिनमें से ज्यादातर फिशर के नजरिए से सहमत थे। एक यूजर ने लिखा, 'मैं आपकी ईमानदारी की प्रशंसा करता हूं और आप बिल्कुल सही हैं! कोई भी जगह परफेक्ट नहीं होती।' एक अन्य यूजर ने कहा, 'आपकी हर बात से सहमत हूं। भारत परफेक्ट नहीं है, लेकिन हम इसे एक ऐसा परिपूर्ण राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं जैसा हम चाहते हैं।'

एक अन्य यूजर ने लिखा, 'बहुत ही प्रेरणादायक पोस्ट। मैं पिछले कुछ समय से नकारात्मक चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। लेकिन आपकी इस पोस्ट और आपके लेखन ने मुझे सकारात्मक चीजों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।'

'यहां मैं कुछ अद्भुत लोगों से मिली हूं'

चार बच्चों की मां फिशर ने पिछले वीडियो में कहा था कि उन्हें भारत में बसने के अपने फैसले पर कोई 'अफसोस' नहीं है, जहां उन्होंने अद्भुत लोगों से मुलाकात की है और अद्भुत जगहें देखी हैं। फिशर ने कहा कि, 'हम चार साल पहले अपने परिवार के साथ भारत आए थे और हमें इसका जरा भी अफसोस नहीं है। इन पिछले चार सालों में मैं कुछ अद्भुत लोगों से मिली हूं, कुछ अद्भुत जगहें देखी हैं, कुछ बेहतरीन खाना खाया है और हमेशा के लिए अपना मन बदल लिया है।'

गिल की कुटाई से टूटा इंग्लैंड का दिल, सीरीज में चौथा शतक जड़ लिखा नया इतिहास, तोड़े कई रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच के पांचवें दिन के पहले सेशन में टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा। केएल राहुल अपने शतक के करीब जाकर आउट हो गए, राहुल के बल्ले से 90 रनों की पारी देखने को मिली। इससे गिल के ऊपर भी दबाव बना।

इसके बाद पांचवें नंबर पर खेलने के लिए एक दिलचस्प बदलाव के साथ वॉशिंगटन सुंदर को भेजा गया और उनका काम ज्यादा से ज्यादा गेंदों को खेलना था। उधर गिल भी दूसरे छोर पर टिके हुए थे लेकिन उन्होंने भी अपनी बैटिंग को काफी धीमा कर दिया, हालांकि बाद में नई गेंद आते ही उन्होंने शतक जड़कर इतिहास रच दिया।

शुभमन गिल अब एक टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान खेलते हुए सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले दुनिया भर में दो कप्तान ऐसा कर पाए थे, इस लिस्ट में पहला नाम डॉन ब्रैडमैन और दूसरा नाम सुनील गावस्कर का है।

एक टेस्ट सीरीज में कप्तान के रूप में सर्वाधिक शतक

4 - सर डॉन ब्रैडमैन ५२ भारत, 1947/48 (घरेलू सीरीज)

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

4 - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

भारत की ओर से एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1971 (विदेश में सीरीज)

4 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

4 - विराट कोहली ५२ ऑस्ट्रेलिया, 2014/15 (विदेश में सीरीज)

4 - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

भारत के लिए एक टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले बल्लेबाज

774 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1971 (विदेश में सीरीज)

732 - सुनील गावस्कर ५२ वेस्टइंडीज, 1978/79 (घरेलू सीरीज)

712 - यशस्वी जायसवाल ५२ इंग्लैंड, 2024 (घरेलू सीरीज)

701* - शुभमन गिल ५२ इंग्लैंड, 2025 (विदेश में सीरीज)

शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी डेब्यू सीरीज में चार शतक लगाए हैं।

हरियाली तीज पर एलसीडब्लूडब्लू के 'मेघ मल्हार' ने बरसाई सांस्कृतिक छटा

(जीएनएस)।

लखनऊ, 27 जुलाई 2025 — सावन और हरियाली तीज के पावन अवसर पर लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड (LCWW) द्वारा होटल रोसेल इन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या "मेघ मल्हार" ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस आयोजन में श्रावण मास की पावनता, नारी शक्ति की भक्ति, और लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया।

इस भव्य आयोजन की योजना जनाब शोएब कुरैशी, रश्मि मिश्रा, राहुल पांडेय, राजीव सक्सेना, प्रदीप शुक्ला, विनोद श्रीवास्तव, नीरजा शुक्ला और राजेन्द्र सिंह पवार द्वारा मिलकर की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा श्री पवार ने संभाली, जबकि मंच संचालन रश्मि मिश्रा और राहुल पांडेय ने ऊर्जा और आत्मीयता के साथ किया।

मुख्य अतिथि आकाशवाणी लखनऊ के निदेशक श्री अजीत चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

✨ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ:

नृत्यः

"टिप टिप टिप टिप बारिश शुरू हो गई" — राजेन्द्र पवार, अन्विता, रमा, प्रियंका और मीनाक्षी द्वारा जोश से भरी प्रस्तुति।

हरियाली लोकगीतों की प्रस्तुति — नीरजा शुक्ला, सुषमा प्रकाश, शशि किरण, अन्विता, ममता श्रीवास्तव और इन्दु सरस्वत की मनभावन प्रस्तुति।

"सावन मोहे तरसाए" — ईला गुप्ता द्वारा भावपूर्ण शास्त्रीय नृत्य।

संगीतः

"ना झटको जुल्फ से पानी" — राहुल पांडेय की शानदार प्रस्तुति।

"हाय रे हाय नींद नहीं आए" — राहुल पांडेय और रश्मि मिश्रा की मधुर युगल प्रस्तुति।

"हाय हाय ये मजबूरी" — नम्रता मिश्रा की प्रभावशाली प्रस्तुति।

"सावन का महीना पवन करे शोर" — सौरभ और अंकिता गुप्ता की मोहक युगल प्रस्तुति।

"रिमझिम गिरे सावन" — रमन श्रीवास्तव की सधी हुई प्रस्तुति।

कार्यक्रम के दौरान LCWW की ई-पत्रिका 'Lucknow Connection Worldwide Group' के चौथे संस्करण का लोकार्पण भी मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य संपादक अल्का प्रमोद और सह-संपादक कविता मिश्रा उपस्थित रहीं।

पर्दे के पीछे से अथक परिश्रम करने वाले अन्विता मनीष, अनिल शुक्ला जूनियर, रमा कर्णवाल, ममता श्रीवास्तव, इशु गुप्ता, अनामिका गुप्ता सूरी और पवन सूरी के योगदान को सराहते हुए धन्यवाद दिया गया।

छउहह के पूर्व कार्यक्रम "स्वर संजीवनी" में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले डॉ. विश्वास वर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

"मेघ मल्हार" ने एक बार फिर सिद्ध किया कि LCWW न केवल लखनऊ की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा है, बल्कि उसे जीवंत और समृद्ध बनाए रखने के लिए समर्पित भी है।

✿ विशेष आयोजनः

जनाब शोएब कुरैशी ने सभी महिला प्रतिभागियों को सावन और तीज के उपलक्ष्य में उपहार भेंट कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर नीरजा- अनिल शुक्ला, शशि किरण - ध्रुव खरे, और रिचा - डी.के. श्रीवास्तव की वैवाहिक वर्षगाँठ, तथा रिचा श्रीवास्तव, प्रियंका पांडेय, चित्रा वेंकटरमन, डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल, राखी लखन, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, साधना श्रीवास्तव और मृदुला श्रीवास्तव के जन्मदिन मंच पर धूमधाम से मनाए गए। इस सुंदर आयोजन का संयोजन अन्विता मनीष और मनीष भारती ने किया।

नेटाफिम इंडिया, ऑर्बिया की प्रिसिजन एग्रीकल्चर कंपनी, सटीक सिंचाई के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की 60 वर्षों की यात्रा और व्यवसाय का उत्सव मना रही है

उत्तर प्रदेश की गन्ना खेती में यूनीरेम ट्यु, ड्रिप नेट पी सी ट्यु, टाइफूनट्यु और पी सी जे ट्यु ड्रिपर्स जैसी नेताफिम की तकनीकों का उपयोग

लघु जोत वाले किसान और महिला किसानों को प्राथमिकता

(जीएनएस)।

नेटाफिम इंडिया, नेटाफिम ऑर्बिया की प्रिसिजन एग्रीकल्चर व्यवसाय की एक सहायक कंपनी है, जो सटीक सिंचाई समाधानों की वैश्विक स्तर पर अग्रणी आपूर्तिकर्ता है। यह कंपनी कृषि में नवाचार, प्रभावशीलता और नेतृत्व के 60 वर्षों का मील का पत्थर पार कर रही है। इस यात्रा में कंपनी ने खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत की, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए खेती को सक्षम बनाया और दुनिया भर के किसान समुदायों को सशक्त किया।

इस 60 वर्षों की यात्रा के उपलक्ष्य में नेटाफिम इंडिया देशभर के दस राज्यों में एक व्यापक किसान सशक्तिकरण अभियान चलाने जा रही है। इसका उद्देश्य एक लाख से अधिक किसानों तक पहुंच बनाना है, जिसमें लघु जोत वाले, महिला किसान और किसान उत्पादक समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत में अब तक कंपनी 12 लाख किसानों तक पहुंच चुकी है और 13 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को स्मार्ट सिंचाई के अंतर्गत लाया गया है। कंपनी की सटीक सिंचाई तकनीक के कारण भारतीय किसानों की उपज में 30 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और पानी की खपत में 50 प्रतिशत तक की कमी आई है। इससे जलवायु परिवर्तन का सामना करने वाली और जल दक्ष खेती संभव हो पाई है।

नेटाफिम इंडिया के प्रबंध निदेशक रणधीर चौहान ने कहा, ह्लदुनियाभर में 60 वर्षों का पड़ाव पार करते हुए हमारा मूल उद्देश्य आज भी वही है झ्ल भारतीय किसानों को कम संसाधनों में अधिक प्रगति करने में मदद करना। यह पड़ाव केवल पीछे मुड़कर देखने का नहीं, बल्कि समावेशी, स्मार्ट और जलवायु-अनुकूल खेती का भविष्य गढ़ने की हमारी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करने का अवसर है। भारत की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विविधता की गहरी समझ रखने वाली कंपनी के रूप में हम सरकार के साथ विभिन्न नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन में भागीदार हैं। इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी के रूप में हमने देशभर के लघु और सीमांत किसानों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार समाधान विकसित किए हैं। हमारी यात्रा किसानों के विश्वास, हमारी साझेदारियों की ताकत और हमारे कर्मचारियों के जोश पर आधारित है झ्ल और यही हमारी असली ताकत है।

वर्तमान में भारतभर में नेटाफिम के 1200 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और नेटाफिम द्वारा '60 इयर्स ऑफ लीडरशिप' यानी 60 वर्षों के नेतृत्व का यह कर्मचारी-केंद्रित अभियान चलाया जाएगा। इसमें '60 डेज ऑफ इम्पैक्ट' नामक एक स्वैच्छिक पहल भी शामिल है, जिसमें कर्मचारी सीधे किसानों से संवाद करेंगे। 'वॉयसेज ऑफ नेटाफिम' नामक श्रृंखला के माध्यम से कर्मचारियों की प्रेरणादायी यात्रा को उजागर किया जाएगा। इसके अलावा, भविष्य के कृषि-कुशल व्यक्तियों को तैयार करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। देशभर के नेटाफिम इंडिया कार्यालयों, फैक्ट्रियों और फील्ड यूनिट्स में एक साथ मिलकर मनाया जाने वाला यह उत्सव 'व्हेयर पर्पज कम्स टू लाइफ' (जहां उद्देश्य साकार होता है) इस मूल्यवचन पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगा।

पिछले एक वर्ष में नेटाफिम ने कई नवाचारों की शुरूआत की है। इनमें ग्रोस्फिअर नामक डिजिटल खेती के लिए ऑपरेटिंग सिस्टम शामिल है, जो दैनिक निर्णय प्रक्रिया में सटीकता लाता है। साथ ही, वेल्डेड आउटलेट वाला दुनिया का पहला हाइब्रिड ड्रिपर भी कंपनी ने पेश किया है, जो सिंचाई दक्षता में उल्लेखनीय सुधार करता है। भारत में कंपनी ने 'तूफान' ड्रिपलाइन नामक उच्च दक्षता वाला उत्पाद लॉन्च किया है, जिसे विशेष रूप से लघु और सीमांत किसानों के लिए डिजाइन किया गया है। महाराष्ट्र की अंगूर बागवानी, तमिलनाडु की केले की खेती, गुजरात की कपास और उत्तर प्रदेश की गन्ना खेती में यूनीरेम ट्यु, ड्रिप नेट पी सी ट्यु, टाइफूनट्यु और पी सी जे ट्यु ड्रिपर्स जैसी नेताफिम की तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ संसाधनों की बचत भी हो रही है।

अग्रसेन मानव सेवा मंडल ने हरियाली तीज पर आयोजित किए रंग-बिरंगे कार्यक्रम

(जीएनएस)।

श्री अग्रसेन मानव सेवा मंडल महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरियाली तीज का कार्यक्रम गोवर्धन स्थित अशोक गार्डन में मनाया गया। सावन के महीने में महिला सदस्यों ने तीज के त्यौहार का लुत्फ लेते हुए राजस्थानी थीम पर कार्यक्रम को सजाया। कार्यक्रम में सभी बहनों ने राजस्थानी परिधान, राजस्थानी गेम्स, व्यंजन और हाऊजी का आनन्द उठाया। इस मौके पर बहनों द्वारा सावन के गीतों और शिव-पार्वती से भजनों पर अपनी-अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजिका जेस्मिनी अग्रवाल और गुंजन अग्रवाल के साथ ममता बिंदल, पुष्पा अग्रवाल, अध्यक्ष सुनीता सिंघल और मंत्री प्राची बंसल ने सभी बहनों को श्रृंगार का सामान भेंट स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में माया, स्नेहलता, लता, मंजूलता, मीता, रेखा, ज्योति, तृप्ति, योगिता, आशा, स्वेता, रिमझिम, बरखा, बबीता, मोनिका, नीतू, राधिका, कीर्ति, धरा और विनीता आदि शामिल हुईं।

स्योहारा क्षेत्र में सड़क किनारे मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

बिजनौर।

शनिवार की देर रात थाना स्योहारा क्षेत्र में एक 52 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान शीशपाल पुत्र झिंगरा सिंह निवासी मोहल्ला तकी सराय, निकट संतोषी माता मंदिर, थाना स्योहारा के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि शीशपाल धामपुर में एक मिठाई की दुकान पर काम करते थे और शनिवार को ड्यूटी से घर लौट रहे थे। इस दौरान गांव फैजुल्लापुर स्थित मनोज फर्नीचर के पास उनका शव संदिग्ध अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर थाना स्योहारा की टीम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की गई।

मृतक की पहचान मौके पर मौजूद उनके पुत्र विपिन, भाई खेमा सिंह सैनी और सगे भाई लेखराज पुत्र मूलचंद सिंह सैनी ने की। परिजनों ने बताया कि वह रोज की तरह दुकान से घर लौट रहे थे और रास्ते में यह हादसा हो गया।

थाना स्योहारा के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला अज्ञात वाहन की टक्कर का प्रतीत होता है, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

मृतक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है। घर के लोग अभी भी इस हादसे को लेकर सदमे में हैं।

गैंगरेप पीड़िता के गांव पहुंची अखिल भारतीय मौर्य महासभा की टीम, दोषियों को फास्टट्रैक कोर्ट से सजा दिलाने की मांग

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय मौर्य महासभा फतेहपुर इकाई की टीम ने बिन्दकी तहसील के जाफराबाद गांव पहुंचकर हाल ही में गैंगरेप की शिकार अर्धविक्षिप्त पीड़िता के परिजनों से मिलने का प्रयास किया। हालांकि टीम जब गांव पहुंची, उस वक्त पीड़िता का परिवार घर पर मौजूद नहीं था। इसके बाद मौर्य महासभा की टीम ने ग्रामीणों से बातचीत कर घटना की जानकारी हासिल की।

ग्राम प्रधान मिठाईलाल कुशवाहा ने बताया कि पीड़िता मानसिक रूप से अस्वस्थ है और उसके साथ जो भी घिनौनी हरकत की गई है, वह बेहद शर्मनाक है। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

अखिल भारतीय मौर्य महासभा फतेहपुर के जिलाध्यक्ष अजय सिंह मौर्य और प्रदेश महासचिव फूल सिंह मौर्य ने ग्रामीणों से संवाद कर घटना की विस्तृत जानकारी जुटाई। कुछ ग्रामीणों ने घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए न्याय की मांग की, जबकि कुछ ने बात करने से इनकार कर दिया।

मीडिया प्रभारी नरसिंह मौर्य ने कहा, "जाफराबाद गांव में जो घटना घटी है, वह इंसानियत को शर्मसार करने वाली है। पीड़िता एक अर्धविक्षिप्त महिला है, और उसके साथ ऐसी अमानवीय हरकत बेहद निंदनीय है। अखिल भारतीय मौर्य महासभा इस घटना की घोर भर्त्सना करती है और प्रशासन से मांग करती है कि आरोपियों के खिलाफ फास्टट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द सजा दिलाई जाए। अगर प्रशासन निष्क्रिय रहता है, तो महासभा आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी। हमारी लड़ाई पीड़िता को न्याय दिलाने तक जारी रहेगी।"

जिलाध्यक्ष अजय सिंह मौर्य ने कहा, ह्रयह घटना समाज को झकझोरने वाली है। जिला प्रशासन को चाहिए कि वह फास्टट्रैक कोर्ट के माध्यम से दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दिलाए। अगर प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाया, तो मौर्य महासभा पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर उतरने को बाध्य होगी। हमारी पूरी टीम पीड़िता और उसके परिवार के साथ हर हाल में खड़ी है।

वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी को पहला स्व. ज्ञानेंद्र शर्मा स्मृति उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान.....

वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय ज्ञानेंद्र शर्मा की स्मृति में यूपी जर्नलिस्ट गिल्ड के तत्वावधान में रविवार को पत्रकारों की एक संगोष्ठी का आयोजन यूपी प्रेस क्लब में किया गया।

गोष्ठी की शुरूआत यूपी प्रेस क्लब के पूर्व सेक्रेटरी वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह के संबोधन से हुई। श्री सिंह ने स्व. शर्मा के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि स्व. शर्मा पत्रकारिता की खुली किताब थे। जिसे पढ़कर आज के युवा सच्ची पत्रकारिता सीख सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व. शर्मा आज के दौर की पत्रकारिता के गिरते स्तर को लेकर चिंतित रहा करते थे। खासकर इस बात पर कि युवा पत्रकारों में सीखने की ललक खत्म होती जा रही है।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने स्वर्गीय शर्मा को याद करते हुए उन्हें अपना गुरु बताया। उन्होंने कहा कि वह मेजर असाइनमेंट पर हमेशा अच्छे से अच्छा आउटपुट चाहते थे। स्वर्गीय शर्मा आज की तुलना में पत्रकारिता के गूगल थे। किसी भी खबर पर उनका रेफरेंस बहुत ही जोरदार रहता था। वह मीटिंग में पूरी तैयारी से आते थे। उनसे नई पीढ़ी को सीखना चाहिए।

बीबीसी के पूर्व संवाददाता वरिष्ठ पत्रकार रामदत्त त्रिपाठी ने बताया कि उस जमाने में स्वर्गीय शर्मा ने अपने आप को तकनीक के हिसाब से बहुत अपडेट रखा था। वह अपनी खबरों को खुद ही टाइपराइटर पर टाइप किया करते थे। इमरजेंसी के दौरान में उनकी लेखनी बहुत धारदार थी। वह हमेशा जन पक्षधर पत्रकारिता किया करते थे।

स्व. ज्ञानेंद्र शर्मा के पारिवारिक

मित्र डॉ. वीके मिश्रा ने उनसे अपने व्यक्तिगत लगाव की स्मृतियों को ताजा किया। उन्होंने कहा की सहनशीलता और भरोसा जैसे मानवीय गुण उन्होंने ज्ञानेंद्र शर्मा से ही सीखा। उनकी अनुपस्थिति से हमारे आसपास एक बड़ा शून्य बना है। स्वर्गीय शर्मा के भाई हरेंद्र शर्मा ने स्मृतियों को ताजा करते हुए बताया कि उनकी पढ़ाई से लेकर नौकरी तक बड़े भाई के रूप में स्व. शर्मा ने जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी किया। उनके पुत्र अनुपम शर्मा ने कहा कि ज्ञानेंद्र शर्मा ने पत्रकारिता के अलावा आरटीआई के क्षेत्र में भी बहुत काम किया। वह हर फील्ड के माहिर थे।

वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जोशी ने उनके साथ बिताए अपने कार्यकाल के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि स्व. शर्मा पत्रकारिता के अलावा बैडमिंटन और टेबल टेनिस का भी शौक रखते थे और अक्सर लखनऊ क्लब में मिल जाया करते थे। एक संपादक के रूप में ज्ञानेंद्र जी से उन्हें बहुत सीखने को मिला। वरिष्ठ पत्रकार मुदित माथुर में कहा कि स्व. शर्मा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनसे हर कोई सीखता था। वह राजनीति में होने वाली उठा पटक पर बारीक नजर रखते थे और भविष्य की गतिविधियों के घटनाक्रम पर पकड़ रखते थे। अगर किसी सहयोगी की स्टोरी उनको मिल जाती थी तो उसे और निखार देते थे। उन्होंने इस बात का विशेष जिक्र किया कि स्व. शर्मा के नियमित कॉलम 'प्रसंगवश' के टाइटल को पूर्व राज्यपाल मोतीलाल बोरा ने अपनी किताब में लिया।

वरिष्ठ पत्रकार नवेद शिकोह ने कहा कि आज की पत्रकारिता की तुलना में स्वर्गीय शर्मा सौ पत्रकारों पर भारी थे। एक रिपोर्टर के तौर पर वह जोरदार पत्रकार तो थे ही, संपादक के तौर पर भी उन्होंने अपनी बेहतरीन छाप छोड़ी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रहे रमेश दीक्षित ने स्व. शर्मा के संग बिताए दिनों को याद करते हुए बताया कि वह एकमात्र ऐसे पत्रकार थे जो राजनेताओं की आंखों से आंखें मिलाकर बात करते थे। उन्होंने पॉलिटिकल रिपोर्टिंग के मानक तय किए जिनका मुकाबला आज भी कोई नहीं कर सकता। मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल की भी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। वह हर फन में माहिर थे। पत्रकारिता के साथ-साथ मित्रता और परिवार का दायित्व भी उन्होंने बखूबी निभाया।

वरिष्ठ पत्रकार शरत प्रधान ने कहा कि जब उन्होंने अपनी पहली किताब लिखी तो उसमें सहयोग के लिए और सबसे पहले स्वर्गी शर्मा के पास ही गए क्योंकि उन्हें पता था कि उनके पास जो जानकारी होगी और किसी और के पास नहीं मिलेगी। उनसे उन्होंने पत्रकारिता के सही वैल्यू सीखे। उन्होंने वाकई सच्ची पत्रकारिता की जबकि आज के दौर में चाटुकारिता, पत्रकारिता पर भारी है।

वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि स्व. शर्मा मूल्य के धनी पत्रकार थे। उन्होंने भोपाल से पत्रकारिता की शुरूआत की। उनकी स्मरण शक्ति बहुत जबरदस्त थी और साहित्य पर भी उनकी जबरदस्त पकड़ थी।

वरिष्ठ पत्रकार प्रद्युम्न तिवारी ने बताया कि उन्होंने विधानसभा की रिपोर्टिंग स्व. शर्मा से ही सीखी। जूनियर साथी को भी साथ में लेकर चलने की कला स्व. शर्मा में भरपूर थी।

वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ कलहंस ने स्वर्गीय शर्मा के साथ के दिनों के चर्चा की।" एक प्रसंग का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे स्व. शर्मा ने एक लाइन में यह कह कर बहस समाप्त करवा दी थी कि 'पत्रकार को निष्पक्ष होकर नहीं बल्कि निरपेक्ष होकर लिखना चाहिए।'

अंत गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी ने उनके साथ बिताए दिनों की याद ताजा करते हुए कहा कि उनके साथ रिश्तों की व्याख्या नहीं की जा सकती। वह अंतरंग रिश्ते को समझते थे और उसके हिसाब से जीवन जीते थे। महफिलों में शेर-ओ- शायरी के बीच में उनके चुटकुले लोगों को बहुत पसंद आते थे। उन्होंने स्व. शर्मा के जन्मदिन पर लिखी एक कविता भी सुनाई। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर जीवन लीला किया समाप्त

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के राईपुर मजरे रोहिल्लापुर में युवक ने अज्ञात कारणों के चलते आज सुबह लगभग 10:00 बजे घर के अंदर बने कमरे में फांसी लगा लिया ज्ञात होने पर परिजनों ने युवक को प्राइवेट चिकित्सक को दिखाया चिकित्सक ने युवक को मृत्यु घोषित कर दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहेल्लापुर का रहने वाला कुलदीप पुत्र राम सवारे उम्र लगभग 20 वर्ष हैदराबाद में रहकर मेहनत मजदूरी का कार्य करता था पिछले महीने वह अपने घर वापस लौटा था और अपने पिता के साथ घर पर ही रह रहा था आज सुबह पिता जब खेतों की तरफ गये हुए थे तभी लड़के ने कमरे के अंदर रस्सी के सहारे फांसी लगा लिया परिजनों को जब ज्ञात हुआ तो दरवाजा तोड़ के अंदर पहुंचे और युवक को नीचे उतारकर प्राइवेट चिकित्सक को बुलाकर जांच करवाई प्राइवेट चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया परिजनों ने डायल 112 सहित स्थानीय थाने में सूचना दी सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटना के विभिन्न बिंदुओं की जांच पड़ताल कर रही है वही ग्रामीणों के बीच युवक के प्रेम प्रसंग की चर्चा रही प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने आत्महत्या किया मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था बड़ा भाई हैदराबाद में रहकर मेहनत मजदूरी का कार्य करता है वही छोटा भाई मौसी के पास रहकर पढ़ाई लिखाई कर रहा है घटना के संबंध में थाना प्रभारी श्यामसुंदर यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर प्रदेशभर में आयोजन

लखनऊ के मदरसा दारुल उलूम वारसिया में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने छात्रों की प्रस्तुतियों का किया अवलोकन

विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायक आयोजन

लखनऊ। 27 जुलाई, 2025

पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर आज पूरे उत्तर प्रदेश के समस्त मान्यता प्राप्त मदरसों मे विविध कार्यक्रमों और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ स्थित मदरसा दारुल उलूम वारसिया में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन माननीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी जी ने किया। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडलों और नवाचारों की सराहना की तथा कहा की

इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों को डॉ. कलाम साहब के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, उनके प्रेरणादायक विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से जोड़ने का प्रयास किया गया है। डॉ. कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि युवाओं के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व भी हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करते हैं ह्व

कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री कुंवर बासित अली, प्रदेश मंत्री सुश्री नेहा खान, एवं श्री मोहम्मद आरिफ अहमद (मोनू) सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

डॉ. कलाम की स्मृति में आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान, तकनीक और रचनात्मकता से जुड़ी प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने अत्यंत सराहा।

नगर निगम प्रशासन ने गैस पाइपलाइन अनुमति को किया निरस्त : मेयर और नगर आयुक्त ने जनहित में लिया निर्णय

मथुरा (जीएनएस)। नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा पूर्व में टोरेंट गैस लिमिटेड को मथुरा-वृंदावन क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में गैस आपूर्ति के लिए भूमिगत पाइपलाइन डालने की अनुमति प्रदान की गई थी, लेकिन कार्य के दौरान लगातार मिल रही सभी जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय लोगों की शिकायतों को दृष्टिगत रखते हुए यह अनुमति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है। नगर निगम के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण और निदेशों के बावजूद संबंधित कंपनी द्वारा वर्षा ऋतु में लगातार कार्य कराया गया, जिससे लोगों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ा था।

इसके अलावा रोड़ कटिंग के उपरांत मरम्मत कार्य मानक के अनुरूप नहीं करने के कारण विभिन्न स्थानों पर दुर्दशा की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे नगर निगम की छवि भी प्रभावित हो रही है। यह निर्णय मेयर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश के स्पष्ट निर्देश पर लिया गया है। सभी जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय लोगों की बार-बार की गई शिकायतों, असुविधा और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए नगर निगम प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

लखनऊ यूपीएससी परीक्षा के दौरान सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर ने किया कर्तव्यों का निर्वहन

लखनऊ(जीएनएस)। 27 जुलाई 2025 उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कसी। कल सायं से परीक्षार्थीयों का आना शुरू हुआ, जो देर रात्रि तक चलता रहा और आज प्रातः से परीक्षार्थी बड़ी संख्या में आना जारी रहा। परीक्षार्थीयों की सहायता हेतु नागरिक सुरक्षा नियंत्रक/जिलाधिकारी विशाख जी एवं चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा के आदेश पर नागरिक सुरक्षा का कैम्प का आयोजन चारबाग बस स्टैंड पर किया गया, इसी क्रम में रेलवे स्टेशन, आलमबाग, कैसरबाग, गोमतीनगर अवध बस डिपो सहित अन्य स्थानों पर परीक्षार्थीयों की हेल्प कैम्प लगाएं गए। सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर रामगोपाल सिंह ने परीक्षार्थीयों की सहयोग के लिए एडमिट कार्ड को देखकर उनको परीक्षा केंद्र भेजने में मदद किया। जिससे कि परीक्षार्थी समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंच सकें। इसी क्रम में बड़ी संख्या में वाडेर्नों ने कर्तव्यों का निर्वहन किया। कैम्प में एडीएम, डीसीपी पश्चिम, एडीसीपी, डिप्टी डिविजनल वार्डेन, स्टॉफ ऑफिसर टू चीफ वार्डेन, डिविजनल वार्डेन, पोस्ट वार्डेन एवं सेक्टर वार्डेन मौजूद रहे। (रामगोपाल सिंह) नागरिक सुरक्षा लखनऊ

हरियाली तीज पर एलसीडब्लूडब्लू के 'मेघ मल्हार' ने बरसाई सांस्कृतिक छटा

(जीएनएस)।

लखनऊ, 27 जुलाई 2025 — सावन और हरियाली तीज के पावन अवसर पर लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड (LCWW) द्वारा होटल रोसेल इन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या "मेघ मल्हार" ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस आयोजन में श्रावण मास की पावनता, नारी शक्ति की भक्ति, और लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया।

इस भव्य आयोजन की योजना जनाब शोएब कुरैशी, रश्मि मिश्रा, राहुल पांडेय, राजीव सक्सेना, प्रदीप शुक्ला, विनोद श्रीवास्तव, नीरजा शुक्ला और राजेन्द्र सिंह पवार द्वारा मिलकर की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा श्री पवार ने संभाली, जबकि मंच संचालन रश्मि मिश्रा और राहुल पांडेय ने ऊर्जा और आत्मीयता के साथ किया।

मुख्य अतिथि आकाशवाणी लखनऊ के निदेशक श्री अजीत चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

✨ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ:

नृत्य:

"टिप टिप टिप टिप बारिश शुरू हो गई" — राजेन्द्र पवार, अन्विता, रमा, प्रियंका और मीनाक्षी द्वारा जोश से भरी प्रस्तुति।

हरियाली लोकगीतों की प्रस्तुति — नीरजा शुक्ला, सुषमा प्रकाश, शशि किरण, अन्विता, ममता श्रीवास्तव और इन्दु सरस्वत की मनभावन प्रस्तुति।

"सावन मोहे तरसाए" — ईला गुप्ता द्वारा भावपूर्ण शास्त्रीय नृत्य।

संगीत:

"ना झटको जुल्फ से पानी" — राहुल पांडेय की शानदार प्रस्तुति।

"हाय रे हाय नींद नहीं आए" — राहुल पांडेय और रश्मि मिश्रा की मधुर युगल प्रस्तुति।

"हाय हाय ये मजबूरी" — नम्रता मिश्रा की प्रभावशाली प्रस्तुति।

"सावन का महीना पवन करे शोर" — सौरभ और अंकिता गुप्ता की मोहक युगल प्रस्तुति।

"रिमझिम गिरे सावन" — रमन श्रीवास्तव की सधी हुई प्रस्तुति।

✿ विशेष आयोजन:

जनाब शोएब कुरैशी ने सभी महिला प्रतिभागियों को सावन और तीज के उपलक्ष्य में उपहार भेंट कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर नीरजा- अनिल शुक्ला, शशि किरण - ध्रुव खरे, और रिचा - डी.के. श्रीवास्तव की वैवाहिक वर्षगाँठ, तथा रिचा श्रीवास्तव, प्रियंका पांडेय, चित्रा वेंकटरमन, डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल, राखी लखन, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, साधना श्रीवास्तव और मृदुला श्रीवास्तव के जन्मदिन मंच पर धूमधाम से मनाए गए। इस सुंदर आयोजन का संयोजन अन्विता मनीष और मनीष भारती ने संपादक अल्का प्रमोद और सह-संपादक कविता मिश्रा उपस्थित रहीं।

पर्दे के पीछे से अथक परिश्रम करने वाले अन्विता मनीष, अनिल शुक्ला जूनियर, रमा कर्णवाल, ममता श्रीवास्तव, इशु गुप्ता, अनामिका गुप्ता सूरी और पवन सूरी के योगदान को सराहते हुए धन्यवाद दिया गया।

छउहह के पूर्व कार्यक्रम "स्वर संजीवनी" में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले डॉ. विश्वास वर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

"मेघ मल्हार" ने एक बार फिर सिद्ध किया कि LCWW न केवल लखनऊ की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा है, बल्कि उसे जीवंत और समृद्ध बनाए रखने के लिए समर्पित भी है।

कार्यक्रम के दौरान LCWW की ई-पत्रिका 'Lucknow Connection Worldwide Group' के चौथे संस्करण का लोकार्पण भी मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य

सावन गीतों संग कजरी पर महिलाओं ने नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी उड़ान सावन उत्सव - 2025

लखनऊ सावन का झूला, आल्ता के रंग, गजरे की खुशबु मेहंदी के रंग... जैसे खूबसूरत परिवेश में हरे रंग के परिधानों में सोलह श्रृंगार से सजी-धजीं महिलाओं ने जब सावन की कजरी ' छैला छाय रहे मधुबन में सावन सुरत बिसारे मोर ' पर भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया, तो चारों ओर सावन के रंग के मानिंद हरीतिमा बिखरी नजर आई, यह मौका था आज शाम सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था उड़ान के तत्वावधान में होटल द गोल्डन एप्पल महानगर में आयोजित उड़ान सावन उत्सव-2025 का।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नम्रता पाठक, विशिष्ठ अतिथि वरिष्ठ लोक नृत्यांगना सरिता सिंह, संजोली पांडे, पार्षद पूजा जसवानी और अनीता श्रीवास्तव ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

संगीत से सजे कार्यक्रम का शुभारंभ अधिरा यादव ने गाइये गणपति श्री वंदन पर भाव नृत्य से किया। विघ्न विनाशक के चरणों में समर्पित इस प्रस्तुति के उपरांत सविता कनौजिया, शिखा पांडे, कविता, बीनू यादव और रितिका सक्सेना ने मेरा मन तरसा पानी क्यों बरसा पर नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोहा।

संगीत से सजे कार्यक्रम के अगले सोपान में अधिरा, अदिति, जानवी, पावनी और अक्शा ने घनन घनन घिर घिर आए बदरा पर नृत्य प्रस्तुत कर नभ में काली घटाओं का आह्वान किया। सावन के रंग में रंगी अगली प्रस्तुतियों में मोहिनी, आभा, खुशबू, सविता, उपासना, नीतू शर्मा, सुनीता पटेल, अप्सरा, शिखा, पूजा, अक्की और बीनू ने लोकगीत रघुवर झूल रहे अपनी उमंग में सिया जी के संग में पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया।

मन को मोह लेने वाली इस पेशकश के बाद खुशबू, नीरज, आभा, शालिनी, कल्पना और ममता ने कजरी कैसे खेलन जहियो सावन में कजरिया बदरिया गिर आई एवं प्रियम पांडे, प्रतिमा शाह, प्रतिभा, प्रतिमा पाठक, उषा सिंह, सुनीता पटेल और नीतू ने सावन गीत आया सावन बड़ा मन भावन सावन की पड़े फुहार राधा झूल रही कान्हा संग में पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया।

इस प्रस्तुति के उपरांत शालिनी, रितिका, प्रियंका, अमृता और भारती सिंह ने पार्वती बोली शंकर से सुनिए भोलेनाथ जी रहना है हर एक जन्म में मुझे तुम्हारे साथ जी पर नृत्य प्रस्तुत कर भगवान शंकर की आराधना की। कार्यक्रम का संचालन मनीष पंडित और धन्यवाद ज्ञापन नरेंद्र यादव ने दिया।